आज

बांधों की क्षति का अनुमान अब कम्प्यूटर पर

कानपुर, 4 मार्च। भारत में पुणे के कोएना बांध को १९६७ में आये भूकम्प से काफी नुकसान हुआ था। इसके पूर्व बांधों के विश्लेषण के बारे में विशेषज्ञों ने कोई चर्चा नहीं की थी। इस हादसे के बाद दुनिया के तमाम देशों के विशेषज्ञों ने बांधों के निर्माण, डिजायन व कम क्षति वाली तकनीक को विकसित करने का प्रयास शुरू किया जो कि अब पूरी तरह सफल है। विशेषज्ञ कम्प्यूटर पर ही माडल बनाकर भूकम्प से होने वाली क्षति का अनुमान लगा लेते हैं। यह बातें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित संक्षिप्त शिक्षा पाठ्यक्रम में अमेरिका के कैलिफोर्निया बरकले विश्वविद्यालय से आये प्रो. ए.के. चोपड़ा ने कही। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. सुधीर कुमार जैन ने बताया कि उनकी कोशिश यही होगी कि नयी तकनीक की जानकारी बांध विशेषज्ञों को मिले और विभाग ने इसमें जो पहल की है वह सराहनीय है। बांध का आधारभूत ढांचा बनाकर कम्प्यूटर पर भूकम्प के दुष्प्रभावों को देखा जा सकता है। अमेरिका से आये लैरी केनस ने इस तकनीक के बारे में विशेषज्ञों को जानकारी दी। संक्षिप्त शिक्षा पाठ्यक्रम के दूसरे दिन देश भर से आये दिग्गजों ने सवाल पूछ कर अपनी जिज्ञासा शांत की। इस कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, मिजोरम, अरुणांचल समेत कई राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस मौके पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के मुखिया प्रो. ओंकार दीक्षित, प्रो. सुरेश अहलावादी आदि थे।

● आईआईटी के संक्षिप्त शिक्षा पाठ्यक्रम में जुटे देश-विदेश के विशेषज्ञ

आज
5/03/09